

अरुणाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के छात्रों को छात्रवृत्तियों दिया जाना

8906. श्री भद्रादायक सिंह : गृह मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 1973-74 के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के छात्रों को छात्रवृत्तिया देने के लिये 750 लाख रुपये की धनराशि खर्च करने की को योजना थी; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या प्रगति की है ?

गृह मंत्रालय में उममंत्रों : श्री एक० एच० मोहनन : (क) और (ख) . वर्ष 1973-74 के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करने के लिये 750 लाख रुपये (सात सौ एक लाख रुपये) खर्च करने की कोई योजना नहीं थी। किन्तु अरुणाचल प्रदेश माध्यमिक तथा विश्वविद्यालयी शिक्षा के लिए 7.50 लाख रुपये (सात लाख पचास हजार रुपये) केवल की योजना थी, जिस; अरुणाचल में और बाहर के 418 छात्रों को 6.22 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां दी गई थी। करवाई है ; और

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बेरोजगार व्यक्तियों को निर्वाह भत्ता दिया जाना

8907. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या गृह मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या पंजाब सरकार द्वारा नियुक्त अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण सचिबी समिति ने अपने प्रतिवेदन में सिफारिश की है कि उक्त जातियों के बेरोजगार स्नातको और स्नातकोत्तर व्यक्तियों को क्रमशः 150 रुपये और 250 रुप का मासिक निर्वाह भत्ता दिया जाये ; और

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार का विचार समूचे देश में इन जातियों के उच्च व्यक्तियों के लिये यह सिफारिश लागू करने का है अथवा वह इस बारे में अन्य राज्य सरकारों को भी सलाह देगी ?

गृह मंत्रालय में उममंत्रों : (श्री एक० एच० मोहनन) : (क) जी हां, श्रीमान।

(ख) केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन कोई प्रस्ताव नहीं है।

Know-how from Hungary for making Cable Machinery

8908. SHRI M. RAM GOPAL REDDY : Will the Ministry of INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether Hungary has offered to supply know-how for making cable machinery, gear grinding machinery to our country; and

(b) if so, the decision of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (SHRI A. C. GEORGE) : (a) Yes, Sir. At the first Session of Indo-Hungarian Joint Commission on economic, Scientific and Technical Co-operation held in New Delhi during October 28—November 2, 1974 it was, *inter-aha* agreed that the Hungarian side would furnish to the Indian side details of their proposals in this regard for consideration of the Government

(b) Since no proposal has been received from Hungary, the matter is not yet ripe for any decision.

Assistance to Kerala State Development Corporation for Housing Scheme for S.C. and S.T.

8909. SHRIMATI BHARGAVA THANKAPPAN : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state: